CRRI NEWSLETTER

CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
CUTTACK (ORISSA) 753 006, INDIA

Phone: 91-671-2367768-83 | *Fax:* 91-671-2367663 | *Telegram:* RICE
Email: crrictc@ori.nic.in *or* ctk_crriinfo@sancharnet.in *or* directorcrri@satyam.net.in
URL: http://www.crri.nic.in

Vol.30; No.4/2009 | ISSN 0972-5865 | October–December 2009

DDGs Formulate Policy in Expert Group Meeting at CRRI

P.Kar

DRS S.K. Datta, Deputy Director-General (Crop Sciences), ICAR, New Delhi and M.M. Pandey, Deputy Director-General (Agricultural Engineering), ICAR, New Delhi, formulated recommendations for improving the quality of rice produced by the farmers in Orissa to meet the minimum procurement quality standards at the Expert Group Meeting on Quality of Rice in Orissa held in CRRI, Cuttack on 9 Oct 2009. The Expert Group meeting was convened at the instance of the Hon'ble Union Minister of Agriculture. The participants comprised of Drs R.T. Patil, Director, Central Institute of Post-Harvest Engineering and Technology (CIPHET), ICAR, Ludhiana, T.K. Adhya, Director, CRRI, M.C. Diwakar, Director, Directorate of Rice Development, Patna, M.M. Panda, Dean (Research, Orissa University of Agriculture and Technology (OUAT), Bhubaneswar, V.K. Mishra, Technical Officer, Government of India, New Delhi, Shri K.N. Mallick, Food Corporation of India, Bhubaneswar, Shri Sanjay Somani and Shri S.K. Mohapatra from the Orissa Millers' Association, and representatives from the OUAT, Bhubaneswar and CRRI, Cuttack.

The Expert Group Meeting was held in two parts. The first comprised of a visit to a modern rice mill at Tangi by all the participants where Dr M.M. Pandey held discussions with the millers on the processing problems and fair average quality of procured paddy. Shri S.L. Agarwal of the rice mill spoke on the constraints. This was followed by a meeting by the Expert Group in the CRRI, Cuttack where specific recommendations were formulated to address technological and policy level interventions.❄

P.Kar

उपमहानिदेशकों द्वारा सीआरआरआई में विशेषज्ञ समूह बैठक में नीति निर्धारण

डॉ.एस.के. दत्ता, उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा डॉ.एम.एम. पांडे, उपमहानिदेशक (कृषि अभियांत्रिकी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने ९ अक्टूबर २००९ को केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में 'उड़ीसा में चावल गुणवत्ता' विषय पर आयोजित विशेषज्ञ समूह बैठक में न्यूनतम बिक्री गुणता मानक पूरा करने हेतु उड़ीसा के किसानों के चावल बीजों में सुधार करने के लिए सिफारिशें कीं। माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री के अनुरोध पर बैठक आयोजित की गई थी। डॉ.आर.टी. पाटिल, निदेशक, केंद्रीय कटायुपंरात अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीफेट), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, लुधियाना, डॉ.टी.के. आध्या, निदेशक, केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थार्न, कटक, डॉ.एम.सी. दिवाकर, निदेशक, चावल अनुसंधान निदेशालय, पटना, डॉ.एम.एम. पंडा, संकायाध्यक्ष, अनुसंधान, उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी), भुवनेश्वर, डॉ.वी.के. मिश्र, तकनीकी अधिकारी, भारत सरकार, नई दिल्ली, श्री के.एन. मल्लिक, भारतीय खाद्य निगम, भुवनेश्वर, श्री संजय सोमानी तथा श्री एस.के. महापात्र, उड़ीसा राइस मिलर्स एसोसिएशन तथा उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर एवं सीआरआरआई, कटक के प्रतिनिधियों ने इस बैठक में भाग लिया।

विशेषज्ञ समूह बैठक दो भागों में संपन्न हुई। सभी प्रतिभागियों ने प्रथम भाग में टांगी स्थित मां दुर्गा राइस मिल का दौरा किया जहां डॉ.एम.एम. पांडे ने प्रसंस्करण समस्याओं तथा खरीदा गया धान के औसत गुणवत्ता पर मिल मालिकों के साथ विचार-विमर्श किया। मिल मालिक श्री एस.एल. अग्रवाल ने समस्याओं के बारे में कहा। इसके बाद, विशेषज्ञ समूह ने केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में बैठक बुआई जिसमें प्रौद्योगिकीय तथा नीति स्तर मध्यस्था के लिए विशिष्ट सिफारिशें प्रस्तुत की गईं।❄

DDGs Evaluate Progress at CRRI

DRS S.K. Datta, Deputy Director-General (Crop Sciences), ICAR, New Delhi and M.M. Pandey, Deputy Director-General (Agricultural Engineering), ICAR, New Delhi, during their visit to the CRRI on 9 Oct 2009 evaluated the progress in research and infrastructural development at the CRRI, Cuttack. Dr S.K. Datta inaugurated the renovated Auditorium, the Project Management Cell, and the Committee Room of the Division of Crop Protection. He also released the *CRRI Newsletter*, July-September 2009 issue and a *CRRI Technology bulletin* on "Monthly Crop Calendar for Rice Cultivation." Dr M.M. Pandey inaugurated the children's park at the CRRI and visited the Agricultural Engineering unit. He discussed the development of new farm machines to reduce the drudgery of farmers and farm women.❄

P.Kar

Dr S.K. Datta has a look at a rice line in the experimental field in CRRI, Cuttack.

उपमहानिदेशकों द्वारा सीआरआरआई में समीक्षा

डॉ.एस.के. दत्ता, उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा डॉ.एम.एम. पांडे, उपमहानिदेशक (कृषि अभियांत्रिकी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली ने ९ अक्टूबर २००९ को सीआरआरआई के परिदर्शन के दौरान संस्थान के अनुसंधान एवं बुनियादी विकास कार्यों का मूल्यांकन किया। डॉ.एस.के. दत्ता ने नवीकृत प्रेक्षालय, परियोजना प्रबंधन प्रकोष्ठ, फसल सुरक्षा समिति कक्ष तथा शिशु उद्यान का उद्घाटन किया। उन्होंने *सीआरआरआई न्यूजलेटर* जूलाई-सितंबर २००९ संस्करण तथा 'धान की खेती के लिए मासिक फसल कैलेंडर' नामक एक *सीआरआरआई तकनीकी बुलेटिन* का विमोचन किया। डॉ.एम.एम. पांडे ने कृषि अभियांत्रिकी इकाई का दौरा किया तथा किसानों एवं महिला किसानों की कड़ी मजदूरी कम करने के लिए नए प्रक्षेत्र मशीनों के विकास के बारे में विचार-विमर्श किया।❄

Left: Dr S.K. Datta inaugurates the CRRI renovated Auditorium. *Centre:* Dr S.K. Datta has a look at the Committee Room of the Division of Crop Protection after inaugurating it. Right: Dr M.M. Pandey inaugurates the Children's Park at the CRRI, Cuttack.

P.Kar

DDG Inaugurates Women in Agriculture Day

FARM women play a vital and important role in farming," said Dr K.D. Kokate, Deputy Director-General (Agricultural Extension), ICAR, New Delhi after inaugurating the "Women in Agriculture Day" at the KVK, Santhapur on 4 Dec 2009. He outlined the new initiatives taken-up by the ICAR for spreading the technologies developed by ICAR through its KVKs. Dr S.S. Nanda, Dean (Extension), OUAT, Bhubaneswar and Dr T.K. Adhya, Director, CRRI also participated. After the inauguration Dr Kokate visited the FLDs in the KVK-adopted village Uchapada.❄

KVK, Santhapur

उपमहानिदेशक द्वारा कृषिरत महिला दिवस का उद्घाटन

डॉ.के.डी. कोकटे, उपमहानिदेशक (कृषि विस्तार) भाकृअनुप, नई दिल्ली ने ४ दिसंबर २००९ को कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर में 'कृषिरत महिला दिवस' का उद्घाटन किया एवं इस अवसर पर कहा कि 'कृषि कार्य में महिलाएं एक प्रमुख तथा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।' उन्होंने किसानों की दशाओं को सुधारने के लिए परिषद द्वारा उठाए गए नए प्रयासों को रेखांकित किया। डॉ.एस एस नंदा, संकायाध्यक्ष (विस्तार), ओयूएटी, भुवनेश्वर तथा डॉ.टी.के. आध्या, निदेशक, सीआरआरआई ने भी भाग लिया। उद्घाटन करने के बाद, डॉ. कोकटे ने कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा अपनाए गए गांव उच्चपदा में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों को देखा।❄

DDG Visits CRRI-RRS, Hazaribag

DR S.P. Tewari, Deputy Director-General (Agricultural Education), ICAR, New Delhi, visited the CRRI-RRS, Hazaribag on 28 Oct 2009. He spoke on the efforts of the ICAR in improving the quality of education. He visited the facilities at the RRS.❄

उपमहानिदेशक का हजारीबाग परिदर्शन

डॉ.एस.पी. तिवारी, उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा), भाकृअनुप, नई दिल्ली ने २८ अक्टूबर २००९ को हजारीबाग स्थित अनुसंधान केंद्र का परिदर्शन किया। उन्होंने शिक्षा की गुणता में सुधार लाने के लिए परिषद द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने केंद्र की सुविधाओं को भी देखा।❄

Director-General, IRRI visits CRRI

BENEFITS from the research collaboration between the CRRI and IRRI are reaching the farmers," said Dr R.S. Zeigler, Director-General, International Rice Research Institute (IRRI), Philippines during his visit to the CRRI on 19 Nov 2009. He spoke on the various collaborative projects and those under planning during an address to the staff of the CRRI. He emphasized on the need to strengthen the collaboration in frontier areas of developing a C_4 rice plant and incorporating genes into rice imparting tolerance to drought, salinity and submergence. Dr T.K. Adhya, Director presided. Dr Zeigler later inaugurated the "Salinity Screening Facility" developed at the CRRI, Cuttack. He was accompanied by Dr S. Mohanty, Head, Social Science, IRRI, Philippines.❄

P.Kar

Dr T.K. Adhya (right) explains the rice lines to Dr R.S. Zeigler in the Salinity Screening Facility at the CRRI, Cuttack.

Dr K.S. Rao (fourth from right) explains the mini-farming system to Dr Zeigler.

P.Kar

महानिदेशक, आईआरआरआई का सीआरआरआई परिदर्शन

डॉ.आर.एस. जिगलर, महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) फिलीपींस ने १९ नवंबर २००९ को सीआरआरआई का परिदर्शन किया तथा कहा कि 'सीआरआरआई तथा आईआरआरआई के बीच हुए सहयोगात्मक अनुसंधान के लाभ किसानों तक पहुंच रहे हैं।' उन्होंने सीआरआरआई के स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए चल रहे कई सहयोगात्मक परियोजनाओं एवं भावी योजनाओं के बारे में कहा। उन्होंने सूखा, लवणता तथा निमग्नता सहिष्णुता प्रदान करने के लिए सी$_4$ चावल पौध विकास करने के सीमांत क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके बाद, डॉ.जिगलर ने सीआरआरआई में विकसित 'लवणता परीक्षण सुविधा' का उद्घाटन किया। उनके साथ डॉ.एस महांती, अध्यक्ष, समाज विज्ञान आईआरआरआई फिलीपींस उपस्थित थे।❄

Dhan Diwas Celebrated

EASTERN India has a key role in the National Food Security as nearly 80% of rice is grown in this region. However, the eastern region also has serious problems of erratic rainfall, yield gap and migration that need to be resolved," said Dr E.A. Siddiq, Former DDG (Crop Sciences), ICAR, New Delhi, and currently Visiting Professor, ARI, ANGRAU, Hyderabad after inaugurating the Dhan Diwas at the CRRI, Cuttack on 26 Oct 2009. Dr T.K. Adhya, Director explained the objectives of the Dhan Diwas and asked the farmers to adopt technologies of the CRRI. Ten progressive farmers from Orissa were felicitated for their contribution to rice production and for the adoption of CRRI technologies.❄

Dr E.A. Siddiq hands over the certificate to Smt Tarangini Pradhan for adopting CRRI technologies.

B. Behera

धान दिवस आयोजित

डॉ.ई.ए. सिद्दिक, भूतपूर्व उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली तथा वर्तमान अतिथि प्रोफेसर, एआरआई, एएनजीआरएयू, हैदराबाद ने २६ अक्टूबर, २००९ को सीआरआरआई, कटक में धान दिवस का उद्घाटन करते हुए कहा कि 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में पूर्वी भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि इसी क्षेत्र में लगभग ८०% चावल की खेती की जाती है। किंतु, पूर्वी क्षेत्र में अनियमित वर्षा, कम उपज तथा पलायन जैसी गंभीर समस्याएं हैं जिनका समाधान की आवश्यकता है।' डॉ.टी.के. आध्या निदेशक, सीआरआरआई ने धान दिवस के लक्ष्यों के बारे में कहा तथा किसानों को सी आर आर आई की प्रौद्योगिकियां अपनाने के लिए आह्वान किया। उड़ीसा के दस प्रगतिशील किसानों को धान उत्पादन में उनके योगदान के लिए तथा सी आर आई प्रौद्योगिकियां अपनाने के लिए सम्मानित किया गया।❄

Member, ASRB at CRRI

THE CRRI has been identified as one of the centres to conduct the online ARS Examination," said Dr M.J. Modayil, Member, Agricultural Scientists' Recruitment Board, New Delhi, during his visit to the CRRI, Cuttack on 11 Dec 2009. Dr Modayil also visited experimental plots and the research facilities.❄

P.Kar

Dr T.K. Adhya (centre) explains the OTC facility to Dr M.J. Modayil (right).

एएसआरबी सदस्य का सीआरआरआई परिदर्शन

डॉ.एम.जे. मोदायिल, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली ने ११ दिसंबर २००९ को सीआरआरआई, कटक का परिदर्शन किया तथा कहा कि सीआरआरआई को ऑनलाइन एआरएस परीक्षा के लिए एक केंद्र के रूप में चुना गया है। डॉ मोदायिल ने परीक्षण खेतों तथा अनुसंधान सुविधाओं को भी देखा।❄

RAC Meeting Held

THE CRRI should further strengthen research to adapt rice growing to climatic changes, conservation agriculture including crop establishment methods, new agronomy and breeding to meet the emerging challenges due to shortage of water and labour, and the increasing cost of cultivation" said Dr R.K. Singh expressing his views as the Chairman of the XV Meeting of the Research Advisory Committee (RAC) of the CRRI at Cuttack during 11–12 Nov 2009. The other Members were Drs B. Vidyachandra, Karabi Datta, A.P.K. Reddy, S.K. Sharma, T.K. Adhya, S.N. Shukla, S.S. Rahangdale and Shri Digambar Mohapatra. Dr R.N. Rao was the Member-Secretary. The Chairman with the Members conducted a pre-meeting briefing followed by an open session. Dr T.K. Adhya presented the highlights of the research achievements and infrastructural developments since the last RAC meeting. Dr R.N. Rao presented the details of the action taken report on the recommendations of the XIV RAC. Dr D.P. Sinhababu, Member-Secretary, Staff Research Council (SRC) highlighted the salient features of the programme of work approved by the SRC 2009–10 as well as for the externally aided projects (EAPs). The RAC Members also visited field experiments and research laboratories.❄

आरएसी बैठक आयोजित

अनुसंधान सलाहकार समिति की पंद्रहवीं बैठक डॉ.आर के सिंह की अध्यक्षता में ११ से १२ नवंबर २००९ के दौरान सीआरआरआई, कटक में संपन्न हुई। डॉ. सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा 'कि सीआरआरआई को जल एवं श्रम की कमी, खेती की बढ़ती लागत जैसी उभरती हुई चुनौतियों का सामना करने हेतु जलवायु परिवर्तनों, संधारण कृषि तथा स्थापना पद्धतियों, शस्यविज्ञान एवं प्रजनन के अनुकूल नए सिरे से अनुसंधान करना चाहिए।' समिति के अन्य सदस्य डॉ.बी. विद्याचंद्र, डॉ.करबी दत्ता, डॉ.ए.पी.के. रेड्डी, डॉ.एस.के. शर्मा, डॉ.टी.के. आध्या, डॉ.एस.एन. शुक्ला, डॉ.एस.एस. राहांगदले तथा श्री दिगंबर महापात्र उपस्थित थे। डॉ.आर.एन. राव इसके सदस्य सचिव थे। अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों को होने वाली बैठक के बारे में संक्षेप में बताया तथा खुला सत्र का आयोजन किया। डॉ.टी.के. आध्या, निदेशक ने पिछली आरएसी बैठक से अब तक की अनुसंधान की मुख्य उपलब्धियों तथा बुनियादी विकास कार्यों को प्रस्तुत किया। डॉ.आर.एन. राव ने चौदहवीं आरएसी बैठक की सिफारिशों के आधार पर की गई कार्रवाइयों का विवरण प्रस्तुत किया। डॉ.डी.पी. सिन्हाबाबु, सदस्य सचिव, स्टाफ अनुसंधान परिषद ने एसआरसी २००९-१० द्वारा अनुमोदित कार्य तथा बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं के प्रमुख विशिष्टताओं को उजागर किया। आरएसी सदस्यों ने क्षेत्र परीक्षणों तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया।❄

B. Behera

Courtesy: ADB/IRRI

ADB Annual Workshop Reviews Progress

THE fourth Annual Workshop of the ADB-supported Project "Development and dissemination of Water-saving Rice Technologies in South Asia," was held in Kathmandu, Nepal from 16 to 17 Dec 2009. The workshop reviewed the progress in the project. The participants were from Bangladesh, India, Nepal, Pakistan, IRRI, the Philippines,, and representatives from the Asian Development Bank. Drs T.K. Adhya, Amal Ghosh, P. Samal and O.N. Singh from the CRRI, Cuttack participated in the deliberations. Dr T.K. Adhya Chaired the Session 2 "Scientific Achievements and Impacts I."❄

एडीबी द्वारा वार्षिक कार्यशाला की समीक्षा

काठमांडू, नेपाल में १६ से १७ दिसंबर २००९ के दौरान एडीबी-पोषित एक परियोजना 'दक्षिण एशिया में जल-बचत चावल प्रौद्योगिकियों का विकास एवं प्रचार' का चौथा वार्षिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बांग्लादेश, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, आई आर आर आई, फिलीपींस तथा एशियन विकास बैंक के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। सीआरआरआई से डॉ.टी.के. आध्या, डॉ. अमल घोष, डॉ.पी. सामल, डॉ.ओ.एन. सिंह ने विचार-विमर्श कार्यक्रमों में भाग लिया। डॉ.टी.के. आध्या ने सत्र २ 'वैज्ञानिक उपलब्धियां और प्रभाव I' की अध्यक्षता की।❄

World Food Day Celebrated

THE World Food Day was celebrated on 16 Oct 2009 at village Bainchua in Mahanga block. More than 200 farmers, farm women and rural youth participated. Dr T.K. Adhya, Director, CRRI spoke on the thrust areas of the CRRI and the various technologies that the farmers could adopt. A team of agricultural scientists and officials from the State Department of Agriculture, Government of Orissa also attended the celebrations.❄

KVK, Santhapur

विश्व खाद्य दिवस आयोजित

माहांगा प्रखंड के बाइंचुआ गांव में १६ अक्टूबर २००९ को विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। इसमें २०० से अधिक किसानों, महिला किसानों तथा ग्रामीण युवकों ने भाग लिया। डॉ.टी.के. आध्या, निदेशक ने केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के प्रमुख क्षेत्रों के बारें में कहा तथा उन विभिन्न प्रौद्योगिकियों के बारे में भी कहा जिन्हें किसान अपना सकते हैं। इसमें उडीसा सरकार के कृषि विभाग के कृषि वैज्ञानिकों के एक दल तथा अधिकरीगण ने भी भाग लिया।❄

B. Behera

CAC and CMU Meeting Held

THE Consortium Advisory Committee (CAC) and Consortium Monitoring Unit (CMU) meeting of the National Agricultural Innovation Project (NAIP), Component-2, on "Capitalization of Prominent Landraces of Rice in Orissa through Value Chain Approach" was conducted by the lead institution M.S. Swaminathan Research Foundation, Jeypore at the CRRI, Cuttack on 14 Oct 2009. Dr S.D. Sharma, Chairman, CAC, gave the keynote address. Dr T.K. Adhya, Director, CRRI gave the welcome address. Shri S.V. Ramana, Chairman, CMU, scientists and officers from MSSRF, Consortium partners from CRRI, Cuttack, Krishi Vigyan Kendra, OUAT, Semiliguda, Koraput and the Orissa Rural Marketing and Development Society (ORMAS), Koraput attended the meeting.❄

सीएसी तथा सीएमसी बैठक आयोजित

अग्रणी संस्थान एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फांउडेशन, जयपुर द्वारा १४ नवंबर २००९ को सीआरआरआई, कटक में राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेष परियोजना (एनएआईपी) घटक-२ की संकाय सलाहकार समिति तथा संकाय निगरानी एकक की बैठक 'उड़ीसा में चावल की प्रमुख भूमिजातियों की मूल्य चेन प्रणाली के माध्यम से पूंजीकरण' विषय पर आयोजित की गई।

डॉ.एस.डी. शर्मा, अध्यक्ष, सीएसी ने मूल भाषण दिया। डॉ.टी.के. आध्या निदेशक, सीआरआरआई ने स्वागत भाषण दिया। श्री एस.वी. रमना, अध्यक्ष, सीएमयू, एमएसएसआरएफ के वैज्ञानिक एवं अधिकारी, सीआरआरआई, कटक, कृषि विज्ञान केंद्र, ओयूएटी, सेमिलीगुडा, कोरापुट के संकाय सहयोगी तथा उड़ीसा ग्रामीण मंडी एवं विकास संघ, कोरापुट ने बैठक में भाग लिया।❄

Vigilance Awareness Week Observed

AT the concluding ceremony of the Vigilance Awareness Week on 7 Nov 2009, Shri A.K. Patnaik, IPS, Director-cum Director-General and IG Police (Vigilance), Cuttack, spoke on "Corruption and the Rules and Regulations Enforced by the Vigilance Department for keeping the Organization free from Corruption and different means of Curbing it." He said that preventive vigilance was always better than detective vigilance. The CRRI observed the Vigilance Awareness Week from 3 to 7 Nov 2009. Dr T.K. Adhya, Director administered the pledge to the staff followed by reading of the message from the Central Vigilance Commission, Government of India by Shri S.K. Sinha, SAO-cum-Vigilance Officer, CRRI. An essay competition on "Self-inspiration is the Key for Disciplined and Corruption Free Society," in English, Hindi and Oriya was conducted.❄

B. Behera

Shri A.K. Patnaik, IPS spoke on preventive vigilance.

सतर्कता जगरूगता सप्ताह का पालन

सतर्कता जागरूगता सप्ताह का समापन समारोह ७ नवंबर २००९ को मनाया गया जिसमें श्री ए.के. पटनायक, आईपीएस, निदेशक-सह-महानिदेशक तथा पुलिस महानिरीक्षक (सतर्कता), कटक ने 'भ्रष्टाचार तथा संगठन को भ्रष्टाचार मुक्त रखने के लिए सतर्कता विभाग द्वारा प्रवर्तित नियम एवं विनियमों तथा भ्रष्टाचार की रोकथाम के विभिन्न उपायों' पर कहा। उन्होंने कहा कि खोजी सतर्कता की अपेक्षा अवरोधक सतर्कता हमेशा बेहतर है तथा अवरोधक उपायों से किसी संगठन के स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। सीआरआरआई कटक में ३ से ७ नवंबर २००९ के दौरान सतर्कता जागरूगता सप्ताह पालन किया गया। डॉ.टी.के. आध्या निदेशक ने स्टाफ सदस्यों को प्रतिज्ञा का पाठ कराया तथा श्री एस.के. सिन्हा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं सतर्कता अधिकारी, सीआरआरआई ने भारत सरकार के केंद्रीय सतर्कता आयोग से प्राप्त संदेश को पढ़ कर सुनाया। इस अवसर पर 'अंतःप्रेरणा शक्ति अनुशासित एवं भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए जरूरी है' विषय पर उड़िया हिंदी तथा अंग्रेजी में एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।❄

Hindi Fortnight Celebrated

HINDI language signifies our nationality as well as Indian identity," said Smt Pushpa Singhi, Littérateur during her address at the concluding ceremony of the Hindi Fortnight 2009 on 6 Oct 2009 at the CRRI, Cuttack. A Hindi Kavi Sammelan was also organized. Shri J.P. Gupta, Former Honorary Professor (English), Bhadrak College, Bhadrak, Smt Anita Bhavsinghka, Co-Editor, *Prerana*, Cuttack and Shri T.P. Tripathi, Lecturer, IPSAR College, Cuttack participated as poets. During the Hindi Fortnight held from 14 to 28 Sep 2009, five Hindi Competitions were organized for the staff whose mother tongue is other than Hindi. Cash awards were awarded for each competition. Dr T.K. Adhya, Director, CRRI presided over the meeting.❄

B. Behera

Smt Anita Bhavsinghka recited poems during the concluding ceremony of the Hindi Fortnight.

हिंदी पखवाड़ा आयोजित

श्रीमती पुष्पा सिंधी, साहित्यकार एवं मुख्य अतिथि ने सीआरआरआई, कटक में ६ अक्टूबर २००९ को आयोजित हिंदी पखवाडा २००९ के समापन समारोह में अपने संबोधन में कहा 'हिंदी भाषा हमारी राष्ट्रीयता एवं अस्मिता का द्योतक है।' इस अवसर पर हिंदी कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था। भद्रक महाविद्यालय, भद्रक के भूतपूर्व ऑनररी प्रोफेसर (अंग्रेजी) श्री जे.पी. गुप्ता, *प्रेरणा* पत्रिका के सह-संपादक श्रीमती अनिता भावसिंहका तथा इपसार महाविद्यालय, कटक के हिंदी प्राध्यापक श्री टी पी त्रिपाठी ने कवि के रूप में भाग लिया। १४ से २८ सितंबर २००९ तक हिंदी पखवाड़ा के आयोजन दौरान हिंदीतर मातृभाषी कर्मचारियों के लिए पाच हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं थीं। प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए नकद पुरस्कार दिया गया। डॉ.टी.के. आध्या, निदेशक, सीआरआरआई ने समारोह की अध्यक्षता की।❄

Gopinath Sahu Memorial Lecture Delivered

GROWING Rice in a Changing Climate" was the topic of the 18th Gopinath Sahu Memorial Lecture delivered by Dr T.K. Adhya, Director, CRRI under the chairmanship of Dr N. Sahoo, Vice-President, ARRW on 3 Nov 2009 at the CRRI, Cuttack. Dr K.S. Rao, Secretary, Association of Rice Research Workers (ARRW) welcomed the speaker. Prof. B. Jena, President, Dr Gopinath Sahu Memorial Trust spoke on the activities of the trust and on the Annual Lectures delivered since inception.❄

B. Behera

गोपीनाथ साहु स्मारक व्याख्यान

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में ३ नवंबर २००९ को डॉ.एन. साहू, उपाध्यक्ष, चावल अनुसंधानकर्त्ता संघ (एआरआरडब्ल्यू) की अध्यक्षता में आयोजित १८ वीं गोपीनाथ साहु स्मारक व्याख्यान में डॉ.टी.के. आध्या, निदेशक, सीआरआरआई ने 'बदलते जलवायु में चावल की खेती' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ.के.एस. राव, सचिव, एआरआरडब्ल्यू ने वक्ता का स्वागत किया। डॉ.गोपीनाथ साहु स्मारक न्यास के अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) बी. जेना ने न्यास के कार्यकलापों तथा वार्षिक व्याख्यान के बारे में बताया।❄

PVS under Drought Breeding Network

SCIENTISTS from the CRRI-RRS, Hazaribag with Dr Stephan Haefele, Agronomist, IRRI, Philippines undertook participatory varietal selection in villages Nagwan, Dundhwa and Lupung during Oct and Nov 2009 for selecting drought-tolerant genotypes of less than 120 days duration under the ICAR-IRRI collaborative Drought Breeding Network activities.❄

CRRI-RRS, Hazaribag

सूखा प्रजनन नेटवर्क के अंतर्गत पीवीएस

हजारीबाग में स्थित सीआरआरआई का क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों ने आईसीएआर-आईआरआरआई के सहयोगात्मक सूखा प्रजनन नेटवर्क कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ.स्टीफन हेफेल, शस्यवैज्ञानिक, आईआरआरआई, फिलीपींस के सहयोग से अक्टूबर के अंतिम सप्ताह तथा नवंबर के प्रथम सप्ताह के दौरान नागवां, दुंधवा तथा लुपूंग गांवों में १२० दिनों की अवधि वाली सूखा सहिष्णु जीनप्ररूपों के चयन के लिए एक सहभागी किस्म चयन (पीवीएस) कार्यक्रम आरंभ किया।❄

Khurda farmer Adopts CRRI Farming System

SHRI Subhas Panda of village Barakumari, in Khurda district of Orissa has adopted the CRRI rice-fish integrated farming system in collaboration with Paradeep Phosphates Limited (PPL), Bhubaneswar in an area of 0.2 ha. The farmer has also improved the system by including a vermicompost unit and also by establishing a dairy unit with 20 improved Jersey breed cows. The urine and cow dung from the dairy unit are used as manure for the crops and food for the fish. The vermicompost serves as manure for horticultural crops.❄

Courtesy: PPL

खुर्दा किसान द्वारा सीआरआरआई खेती प्रणाली अपनाना

उड़ीसा के खुर्दा जिले के बड़ा कुमारी गांव के श्री सुभाष पंडा ने पाराद्वीप फास्फेट लिमिटेड (पीपीएल), भुवनेश्वर के सहयोग से ०.२ हैक्टर की भूमि में सीआरआरआई की धान-मछली समेकित खेती प्रणाली को अपनाया है। इस किसान ने एक कृमि कंपोस्ट इकाई तथा २० सुधरित जरसी किस्म की गायों को लेकर एक डेयरी इकाई को इस प्रणाली में शामिल करके इसमें सुधार किया है। डेयरी इकाई से प्राप्त गोमूत्र एवं गोबर का प्रयोग फसल के खाद के रूप में तथा मछली के खाद्य के रूप में किया गया। बागवानी फसलों के लिए कृमि कंपोस्ट का प्रयोग खाद के रूप में किया गया।❄

Winter School Organized

THE CRRI organized the ICAR sponsored Winter School on "Entrepreneurship Development and Agribusiness Management" organized at CRRI, Cuttack from 3 to 23 Dec 2009. The participants were from the University of Agricultural Sciences, Bangalore, AICRP on IFS, KVKs in Angul, Jharsuguda, Sikkim Centre of the ICAR Research Complex, Kandhamal and Puri. The objective of the course was to refresh the knowledge and skill of participants in entrepreneurship development and agribusiness management.❄

B. Behera

शीतकालीन पाठ्यक्रम आयोजित

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान ने ३ से २३ दिसंबर २००९ के दौरान सीआरआरआई, कटक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 'उद्यम विकास तथा कृषि व्यापार प्रबंधन' विषय पर शीतकालीन पाठ्यक्रम का आयोजन किया। कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलूर, आईएफएस पर एआईसीआरपी, अनुगुल एवं झारसुगुड़ा, आईसीएआर अनुसंधान कांप्लैकस का सिक्किम केंद्र, कंधमाल एवं पुरी के कृषि विज्ञान केंद्रों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्यम तथा कृषि व्यापार प्रबंधन में प्रतिभागियों के ज्ञान कौशल एवं जानकारी में नई शक्ति प्रदान करने के लिए इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य था।❄

KVK, Santhapur

Shri Sharad Pawar, Hon'ble Union Minister of Agriculture visited the CRRI-KVK exhibit stall.

Drs K.D. Kokate and Krishna Srinath visited the CRRI-KVK stall at the Conference.

KVK, Santhapur

National Conference

The KVK participated in the IV National Conference of KVK's at the TNAU, Coimbatore, Tamil Nadu during 6–8 Nov 2009. The Conference was inaugurated by Thiru M. Karunanidhi, Hon'ble Chief Minister of Tamil Nadu. Shri Sharad Pawar, Hon'ble Union Minister of Agriculture inaugurated the exhibition. The KVK put up an exhibit stall. Shri Sharad Pawar, Hon'ble Union Minister of Agriculture, Dr K.D. Kokate, Deputy Director-General (Agricultural Extension), ICAR, New Delhi, Director (DRWA), Bhubaneswar, and the Zonal Project Directors (Zone VII and Zone II), visited the stall.

Training

An off-campus training programme was organized on "Integrated Farming System (Fish and Livestock)" at village Gopalpur in Mahanga Block on 6 Oct 2009 in which 30 farmers / farmwomen were trained.

A training programme on "Identification of Pests and Diseases of Rice and their Natural Enemies in Field Condition" was conducted at KVK, Santhapur from 7 to 8 Oct 2009 for 30 farmers.

A training programme on "Dairy Management" was conducted at Gopalpur, Mahanga Block on 22 Nov 2009 for 30 farmers / farm women.

Animal Health Camp

An animal health camp for buffalo was organized at the KVK, Santhapur on 2 Dec 2009. A total of 29 buffalo were treated with Albendazole after examination.❄

KVK, Santhapur

कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर

राष्ट्रीय सम्मेलन

कृषि विज्ञान केंद्र ने ६ से ८ नवंबर २००९ के दौरान तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु में आयोजित कृषि विज्ञान केंद्रों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। थिरु एम.करुणानिधि, माननीय मुख्य मंत्री, तमिलनाडु ने राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। श्री शरद पवार, माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कृषि विज्ञान केंद्र ने एक प्रदर्शनी मंच का आयोजन किया। श्री शरद पवार, माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री, डॉ.के.डी कोकटे, उपमहानिदेशक (कृषि विसतार), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, निदेशक, कृषिरत महिला अनुसंधान निदेशालय, भुवनेश्वर तथा क्षेत्र VII तथा क्षेत्र II के क्षेत्रीय परियोजना निदेशकों ने मंच का परिदर्शन किया।

प्रशिक्षण

माहांगा प्रखंड के गोपालपुर गांव में ६ अक्टूबर २००९ को 'समेकित कृषि प्रणाली (मछली तथा पशुधन)' विषय पर एक ऑफ-कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ३० किसानों/महिला किसानों को प्रशिक्षित किया गया। 'चावल के नाशककीटों एव रोगों की पहचान एवं खेत परिस्थिति में उनके प्राकृतिक शत्रु' विषय पर ७ से ८ अक्टूबर २००९ के दौरान एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'डेयरी प्रबंधन' विषय पर २२ नवंबर २००९ को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पशु स्वास्थ्य शिविर

कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर में २ दिसंबर २००९ को भैंस पर एक पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। परीक्षण करने के बाद २९ भैंसों को एलबेनडाजोल से उपचारित किया गया।❄

Kisan Mela held at Singrawan

THE CRRI-RRS, Hazaribag held a farmers' fair in village Singrawan of Jharkhand on 1 Oct 2009 with the objective of familiarizing the farmers to the newly introduced short duration, drought-tolerant rice varieties.❄

CRRI-RRS, Hazaribag

सिंग्रावान में किसान मेला आयोजित

हजारीबाग में स्थित सीआरआरआई का क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र द्वारा हाल में विमोचित लघु अवधि एवं सूखा सहिष्णु वाले चावल किस्मों के बारे में में किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से १ अक्टूबर २००९ को सिंग्रावान गांव में एक किसान मेला का आयोजन किया गया।❄

KVK, Koderma

Frontline Demonstrations

FLD on wheat (20 ha), linseed (15 ha), lentil (5 ha), toria (5 ha), mustard (5 ha), chickpea (15 ha) and pea (1 ha) was taken up during *rabi*. Wheat was sown using zero tillage machine. Polyculture technique is being evaluated for use in conserving moisture in different crops during *rabi*.

Training

A one-day training programme on cultivation of *rabi* crops was held at KVK, Jainagar, Koderma on 19 Oct 2009. Farmers from different blocks of Koderma district of Jharkhand participated in the training programme.❄

KVK, Koderma

Polyculture is being evaluated for conserving moisture in crops.

Training was imparted to farmers by the KVK, Koderma.

KVK, Koderma

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा

अग्रिमपंक्ति प्रदर्शनी

रबी के दौरान गेहूं (२० है.), अलसी (१५ है.), मसूर (५ है.), तोरिया (५ है.), सरसों (५ है.), चना (१५ है.) तथा मटर (१ है.) की खेती की गई। गेहूं की बुआई में जुताई यंत्र का प्रयोग नहीं किया गया। *रबी* के दौरान विभिन्न फसलों में आर्द्र संरक्षण के प्रयोग के लिए पॉलिकल्चर तकनीक का मूल्यांकन किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कृषि विज्ञान केंद्र, जयनगर द्वारा १९ अक्टूबर २००९ को *रबी* फसल की खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोडरमा जिले के विभिन्न प्रखंडों के किसानों ने भाग लिया।❄

A training was conducted for cultivation of crops in *rabi*.

KVK, Koderma

Wheat was cultivated using zero tillage as a FLD crop in *rabi*.

Courtesy: NDRI, Karnal

Shri P.K. Parida (centre at 1) was adjudged the best athlete of the Tournament.

Deepti Shouche

The kabaddi team gets together for a group photograph with their trophy and individual medals.

CRRI Secures Second Position in ICAR Inter-Zonal Meet

THE CRRI sports team secured the second position in the ICAR Inter-Zonal Final meet at NDRI, Karnal from 12 to 15 Dec 2009. The Kabaddi team defended its Championship title successfully and made it three-in-a-row. The CRRI won the first position in the 4 x 100 m relay race, 100 m, 200 m and 400 m race and the second position in 800 m and 1,500 m race for men. Shri P.K. Parida was adjudged the best athlete of the Tournament, the second time in succession.❄

Award/Fellowship in Societies/ Member in Committees

DR T.K. Adhya, Director, CRRI, Cuttack was awarded the Prof. G. Rangasami Award 2009 in agricultural microbiology of the Association of Microbiologists of India (AMI). He was given the award in absentia during the 50th Annual Conference of the AMI at Pune on 17 Dec 2009. The award was conferred on Dr Adhya for his work on agricultural microbiology with environmental impact.

Dr T.K. Adhya was elected as a Fellow of the West Bengal Academy of Science and Technology, Kolkata. He was admitted to the Academy during the Annual General Body Meeting of the Academy held at the Central Glass and Ceramic Research Institute, Jadavpur, Kolkata, on 30 Dec 2009.

Dr K.S. Rao, Head, Division of Crop Production was nominated as a Member of the Management Committee of the Central Research Institute for Jute and Allied Fibers, ICAR, Barrackpore for a period of three years from 19 Nov 2009.❄

आईसीएआर अंतर्क्षेत्रीय प्रतियोगिता में सीआरआरआई को द्वितीय स्थान

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में १२ से १५ दिसंबर, २००९ के दौरान आयोजित आईसीएआर अंतर्क्षेत्रीय अंतिम खेलकूद प्रतियोगिता में सीआरआरआई की टीम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। कबड्डी टीम ने चैंपियनशिप का खिताब जीता और इस प्रकार तीन बार लगातार सफलता मिल चुकी है। सीआरआरआई ने ४ x १०० मी रिले दौड, १०० मी. २०० मी. तथा ४०० मी. दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा ८०० मी. एवं १५०० मी. दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। श्री पी.के.परिड़ा को श्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। इन्हें यह खिताब लगातार द्वितीय बार मिला है।❄

संघ में फेलोशिप/पुरस्कार समिति में सदस्यता

डॉ.टी.के. आध्या, निदेशक, सीआरआरआई, कटक को भारतीय सूक्ष्मजीव वैज्ञानिक संघ के तरफ से प्रोफेसर जी.रंगासामी पुरस्कार २००९ से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार १७ दिसंबर २००९ को पुणे में आयोजित एएमआई के ५० वां वार्षिक सम्मेलन में उनकी अनुपस्थिति में प्रदान किया गया। डॉ. आध्या को यह पुरस्कार कृषि सूक्ष्मजीवविज्ञान से पर्यावरण पर हो रहे प्रभाव के उनके कार्य के लिए दिया गया।

डॉ.टी.के. आध्या को पश्चिम बंगाल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अकादमी, कोलकाता में फेलो के रूप में चयन किया गया। उन्हें ३० दिसंबर, २००९ को सेंट्रल ग्लास एंड सेरामिक रिसर्च इंस्टिट्यूट, जादवपुर, कोलकाता में आयोजित अकादमी के वार्षिक साधारण बैठक के दौरान अकादमी में चयन किया गया।

डॉ.के.एस. राव, अध्यक्ष फसल उत्पादन प्रभाग को केंद्रीय पटसन एवं समवर्गी रेशा अनुसंधान संस्थान, भाकृअनुप, बैरेकपुर में १९ नवंबर २००९ से तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रबंधन समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।❄

Institute Seminars

DR Bijoy Singh, Panjab Agricultural University, Ludhiana on "Green seeker™ Optical sensor for Nitrogen Management in Crops" on 6 Oct 2009.

Dr D. Swain on "Gene Flow from Cultivated to Weedy and Wild Rice and its Environmental Consequences" on 12 Oct 2009.

Dr Sanjukta Das on "Grain Quality Research Issues and Future Prospects" on 16 Oct 2009.

Dr K.S. Rao on "Water-saving Technologies in Irrigated Rice" on 23 Oct 2009.

Dr Arvind Kumar, Scientist (Drought and Aerobic Rice), IRRI, Philippines on "Making Rice less Thirsty to Tackle Drought—Strategies and Progress" on 29 Oct 2009.

Dr Meera Kar on "Breeding for Resistance to RTD" on 30 Oct 2009.

Dr Annie Poonam on "Precision Agriculture Concept and Application" on 6 Nov 2009.

Dr Abhijit Das on "Iron Metabolism in Plants" on 13 Nov 2009.

Dr G.J.N. Rao on "Double Haploid Breeding in Rice" on 20 Nov 2009.

Dr K.R. Mahata on "Tillage and Soil Structure Management for Rice-based Cropping System" on 27 Nov 2009.

Dr P. Kaushal on "Gene Regulations in Apomixes" on 27 Nov 2009.

Dr J.N. Reddy on "Varietal Improvement for Submergence-prone and Medium-deep Waterlogged Lowland Areas of Eastern India—Problem and Prospects" on 5 Dec 2009.

Dr K.M. Das on "Management of Bacterial Blight of Rice" on 14 Dec 2009.

Dr L. Behera on "Rice Genomics: Progress and Prospects" on 18 Dec 2009.❄

Symposia/Seminars/Conferences/ Workshop/Trainings Attended

DRS P. Mishra and M. Din attended the "Training-cum-workshop for Farm Women" organized at the DRWA, Bhubaneswar on 4 Oct 2009. Dr P. Mishra delivered a lecture on "By-product Utilization and Value-addition of Foodgrains." Dr M. Din spoke on "Good Management Practices for Harvesting, Threshing and Handling of Foodgrains."

Dr D.P. Sinhababu attended the State-level pre-seasonal orientation training for *rabi* 2009–10 during 21–22 Oct 2009 at the Directorate of Agriculture and Food Production, Bhubaneswar and delivered a lecture on "Rice-fish farming."

संस्थान सेमिनार

डॉ. विजय सिंह, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना ने ६ अक्टूबर २००९ को 'फसल में नत्रजन प्रबंधन के लिए ग्रीनसिकर™ आप्टिकल सेंसर' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.डी. स्वाईं ने १२ अक्टूबर २००९ को 'खेती किए जाने वाले धान से घासदार एवं जंगली धान की ओर जीन का बहाव एवं इसका पर्यावरणीय परिणाम' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.संयुक्ता दास ने १६ अक्टूबर २००९ को 'अनाज गुणता के अनुसंधान मुद्दों तथा इसकी भावी संभावनाएं' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.के.एस. राव ने २३ अक्टूबर २००९ को 'सिंचित चावल में जल-बचत प्रौद्योगिकियां' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.अरविंद कुमार, वैज्ञानिक (सूखा एवं एरोबिक चावल), आईआरआरआई, फिलीपींस ने 'सूखा का सामना करने के लिए चावल द्वारा कम पानी का उपयोग-रणनीति एवं प्रगति' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.मीरा कर ने ३० अक्टूबर २००९ को 'आरटीडी के लिए प्रजनन प्रतिरोधिता' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.एनी पूनम ने ६ नवंबर २००९ को 'सूक्ष्म कृषि अभिकल्पना एवं विनियोग' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.अभिजित दास ने १३ नवंबर २००९ को 'पौध में लौह मेटाबलिज्म' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.जी.जे.एन. राव ने २० नवंबर २००९ को 'चावल में डबल हैप्लाएड प्रजनन' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.के.आर. महतो ने २७ नवंबर २००९ को 'चावल-आधारित फसल प्रणाली के लिए जुताई एवं मृदा संरचना प्रबंधन' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.पी. कौशल ने २७ नवंबर २००९ को 'जीन रेगुलेशन्स इन एपोमिक्सेस' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.जे.एन. रेड्डी ने ५ दिसंबर २००९ को 'पूर्वी भारत के जलनिमग्न-प्रवण तथा मध्यम-गहरा जलाक्रांत निचलीभूमियों के लिए किस्म सुधार-समस्याएं एवं संभावनाएं' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.के.एम. दास ने १४ दिसंबर २००९ को 'चावल के जीवाणुज अंगमारी का प्रबंधन' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।

डॉ.एल. बेहेरा ने १८ दिसंबर २००९ को 'चावल जीनोमिक्सः प्रगति तथा संभावनाएं' विषय पर सेमिनार व्याख्यान दिया।❄

परिसंवाद/संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण

डॉ.पी. मिश्र तथा डॉ.एम. दीन ने ४ अक्टूबर २००९ को कृषिरत महिला अनुसंधान निदेशालय, भुवनेश्वर में आयोजित 'कृषिरत महिलाओं के लिए प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला' में भाग लिया। डॉ.पी. मिश्र ने 'उपोत्पादन उपयोग एवं खाद्यान्नों का मूल्यवर्द्धन' विषय पर एक व्याख्यान दिया। डॉ.एम. दीन ने खाद्यान्नों की कटाई, दौनी एवं रखरखाव के लिए अच्छे प्रबंधन पद्धतियों पर व्याख्यान दिया।

डॉ.डी.पी. सिन्हाबाबू ने २१-२२ अक्टूबर २००९ के दौरान कृषि एवं

Dr S.R. Dhua evaluated the research experiments of the breeder seed project and seed technology for the Eastern Zone Group I of NSP (Crops) from 21 to 31 Oct 2009.

Dr T.K. Adhya attended the Orissa State Level Pre-Seasonal Orientation training for *Rabi* 2009–10 as a special invitee and delivered a talk "Prospects of Crop Production in Response to Climatic Change with Special Emphasis on Rice" at Bhubaneswar on 22 Oct 2009.

Dr N. Bhakta attended the 19th meeting of the ICAR Regional Committee Meeting No. III at Gangtok, Sikkim during 23–24 Oct 2009.

Dr T.K. Adhya attended the 54th meeting of the Central Sub-committee on Crop Standards at Bangalore on 23–25 Oct 2009.

Drs T.K. Adhya attended the National Conference on "Biodiversity Conservation and Management of Bioresources" organized by the Applied Zoologists Research Association (AZRA) at Vishakapatnam during 27–28 Oct 2009.

Dr K.S. Rao participated in the visit of NLMT in Orissa from 27 to 30 Oct 2009 as a Member of the National Level Monitoring Team of all NFSM activities constituted for Bihar, Jharkhand and Orissa by the Ministry of Agriculture, Government of India, New Delhi.

Drs G.J.N. Rao and V.D. Shukla attended the National Conference on "Biodiversity Conservation and Management of Bioresources" organized by the AZRA at Andhra University, Visakhapatnam from 28 to 29 Oct 2009.

Dr T.K. Adhya attended the Mid-term Review Meeting of the DARE for the XI Five Year Plan at CIFRI, Barrackpore at Kolkata from 29 Oct to 1 Nov 2009.

Drs K. Pande, J.N. Reddy and S.K. Pradhan attended the National Seminar on "Crops for Changing Climate" jointly organized by the Indian Society of Genetics and Plant Breeding in collaboration with the ICAR, New Delhi and the Birsa Agriculture University (BAU), Ranchi, Jharkhand at BAU, Ranchi from 30 to 31 Oct 2009.

Dr T.K. Adhya attended the 4th National Conference of KVK-2009 held at TNAU, Coimbatore from 4 to 7 Nov 2009.

Dr J.N. Reddy went as a team member for monitoring the semideep and deepwater trials and AVT-2-NIL (*SUB1*) trials at the OUAT, Bhubaneswar, Chinsurah, West Bengal, Pusa, Bihar and Masodha, and Ghagharaghat, Uttar Pradesh from 4 to 10 Nov 2009.

Drs S.G. Sharma, Padmini Swain, Sanjukta Das

खाद्य उत्पादन निदेशालय, भुवनेश्वर में *रबी* २००९-२०१० के लिए आयोजित राज्य स्तरीय पूर्व-मौसम अभिमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया तथा 'चावल-मछली खेती' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.एस.आर. धुआ ने २१ से ३१ अक्टूबर २००९ के दौरान राष्ट्रीय बीज परियोजना (फसल) के पूर्वी क्षेत्र समूह-I के लिए प्रजनक बीज परियोजना तथा बीज प्रौद्योगिकी के अनुसंधान परीक्षणों का मूल्यांकन किया।

डॉ.टी के आध्या ने २२ अक्टूबर २००९ को भुवनेश्वर में *रबी*, २००९-१० के लिए आयोजित उड़ीसा राज्य स्तरीय पूर्व-मौसम अभिमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक विशिष्ट आमंत्रित अतिथि के रूप में भाग लिया तथा 'जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप फसल उत्पादन विशेषकर चावल की संभावनाए' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.एन. भक्त ने २३-२४ अक्टूबर २००९ के दौरान गैंगटोक, सिक्किम में आयोजित आईसीएआर क्षेत्रीय समिति बैठक संख्या III की १९ वीं बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने २३-२५ अक्टूबर २००९ के दौरान बैंगलूर में फसल मानक पर गठित केंद्रीय उप-समिति की ५४ वीं बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने २७-२८ अक्टूबर २००९ के दौरान विशाखापटनम में 'आजरा' द्वारा 'जैवविविधता संरक्षण तथा जैवसंसाधनों का प्रबंधन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ.के.एस. राव ने भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा बिहार, झारखंड एवं उड़ीसा के लिए गठित सभी एनएफएसएम कार्यकलापों की राष्ट्रीय स्तर निगरानी दल के एक सदस्य के रूप में २७ से ३० अक्टूबर २००९ के दौरान उड़ीसा में एनएलएमटी के परिदर्शन में भाग लिया।

डॉ.जी.जे.एन. राव ने २८ से २९ अक्टूबर, २००९ के दौरान आजरा द्वारा आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम में 'जैवविविधता संरक्षण तथा जैवसंसाधनों के प्रबंधन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने २९ अक्टूबर से १ नवंबर २००९ के दौरान सिफरी, बैरेकपुर, कोलकाता में ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के लिए डेयर की मध्यकालीन समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डॉ.के. पांडे, डॉ.जे.एन. रेड्डी तथा डॉ.एस.के. प्रधान ने ३० से ३१ अक्टूबर २००९ के दौरान बीएयू, रांची में भाकृअनुप, नई दिल्ली तथा बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), रांची झारखंड के सहयोग से 'बदलते जलवायु के लिए फसल' विषय पर संयुक्त रूप से भारतीय आनुवंशिक एवं पौध प्रजनन संध द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने ४ से ७ नवंबर २००९ के दौरान टीएनएयू, कोयंबटूर में कृषि विज्ञान केंद्र-२००९ के चौथे राष्ट्रीय राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ.जे.एन. रेड्डी ४ से १० नवंबर २००९ के दौरान ओयूएटी, भुवनेश्वर, चिनसूरा, पश्चिम बंगाल, पूसा, बिहार एवं मसोधा, घाघराघाट

and M.J. Baig attended the National Conference on "Frontiers in Plant Physiology towards Sustainable Agriculture" from 5–7 Nov 2009 at the Assam Agricultural University, Assam.

Dr D.P. Sinhababu delivered a lecture on "Rice-fish Farming in Asia" at the Winter School in IARI, New Delhi on 6 Nov 2009.

Dr T.K. Adhya attended the Foundation Day Ceremony of ASRB at New Delhi from 7 to 10 Nov 2009.

Dr Sanjoy Saha attended the meeting of the Area Coordinators of the National Invasive Weed Surveillance (NIWS) Programme to discuss the "Protocols and Methodologies for Weed Survey and Surveillance" at the Directorate of Weed Science Research, Jabalpur during 13–15 Nov 2009.

Dr T.K. Adhya attended the Review Meeting of AMAAS Project at CPCRI, Kasargod at Mangalore from 16 to 18 Nov 2009.

Drs S.M. Prasad, J.R. Mishra, P.K. Mallick and K. Vanitha participated in a five days training programme on "Mechanization and Value-addition in Rice" conducted at CRRI, Cuttack from 18 to 23 Nov 2009 by the CRRI in collaboration with the Department of Agricultural Extension, Government of India.

Dr T.K. Adhya attended the meeting of the State Technical Committee of NFSM at OUAT, Bhubaneswar on 24 Nov 2009.

Dr S.M. Prasad presented the Annual Progress Report of 2008–09 and Action Plan of 2009–2011 in the Zonal Workshop of KVKs of Zone VII at Bilaspur from 24 to 27 Nov 2009.

Dr P. Mishra delivered a talk on "Rice Milling Technology" under the programme "Campaign for Capacity Enhancement for Modern Rice Milling in Orissa" organized by the IPICOL, Orissa on 27 Nov 2009.

Drs N.C. Rath and Lipi Das attended the National Seminar on "Managing Rural Livelihood in India—Challenges and Opportunities" organized by the Orissa Society of Extension Education at the Orissa University of Agriculture and Technology, Bhubaneswar during 27 to 28 Nov 2009.

Dr Lipi Das attended the National Seminar on "Women in Agriculture" organized by the International Extension Forum held at DRWA, Bhubaneswar during 4 and 5 Dec 2009.

Dr T.K. Adhya attended the INSA Platinum Jubilee Meeting at Kolkata from 5 to 10 Dec 2009.

Dr D. Maiti attended the 5th International Conference on Plant Pathology at New Delhi during 9 to 12 Dec 2009. He gave an invited lecture "Integrated Approach of Exploiting Native Arbuscular Mycorrhizal

उत्तरप्रदेश में आर्द्रगहरा तथा गहराजल परीक्षणों और एवीटी-२-एनआईएल (*सब१*) परीक्षणों की निगरानी के लिए दल सदस्य के रूप में गए।

डॉ.एस.जी. शर्मा, डॉ.पद्मिनी स्वाईं, डॉ.संयुक्ता दास तथा डॉ.एम.जे. बेग ने ५-७ नवंबर २००९ के दौरान असम कृषि विश्वविद्यालय, असम में 'टिकाऊं खेती के लिए पौध कार्यिकी की सीमाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ.डी.पी. सिन्हाबाबू ने ६ नवंबर २००९ को आईएआरआई, नई दिल्ली में आयोजित शीतकालीन पाठ्यक्रम में 'एशिया में चावल-मछली खेती' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने ७ से १० दिसंबर २००९ के दौरान नई दिल्ली में एएसआरबी के स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

डॉ.संजय साहा ने १३-१५ नवंबर २००९ के दौरान खरपतवार विज्ञान अनुसंधान, जबलपुर में 'खरपतवार सर्वेक्षण एवं निगरानी के लिए पूर्वारूप एवं प्रणालियां' विषय पर विचार-विमर्श करने के हेतु आयोजित राष्ट्रीय आक्रामक खरपतवार निगरानी कार्यक्रम की क्षेत्रीय समन्वयक बैठक में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने १६ से १८ नवंबर २००९ के दौरान सीपीसीआरआई, कासरगोड, मैंगलोर में 'आमास' परियोजना की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डॉ.एस.एम. प्रसाद, डॉ.जे.आर. मिश्र, डॉ.पी.के. मलिक तथा डॉ.के. वनिता ने १८ से २३ नवंबर २००९ के दौरान भारत सरकार के कृषि विस्तार विभाग के सहयोग से सीआरआरआई, कटक में 'चावल में यंत्रीकरण तथा मूल्यवर्द्धन' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ.एस.एम. प्रसाद ने २४ से २७ नवंबर २००९ के दौरान बिलासपुर में क्षेत्र VII के कृषि विज्ञान केंद्रों के क्षेत्रीय कार्यशाला में वर्ष २००८-२००९ की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट तथा वर्ष २००९-२०११ की कार्य योजना प्रस्तुत की।

डॉ.टी.के. आध्या ने २४ नवंबर २००९ को ओयूएटी, भुवनेश्वर में एमएफएसएम के राज्य तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ.पी. मिश्र ने २७ नवंबर २००९ को इपिकॉल द्वारा आयोजित 'उड़ीसा में आधुनिक चावल पेषण हेतु क्षमता वृद्धि करने के लिए अभियान' कार्यक्रम के तहत 'चावल पेषण प्रौद्योगिकी' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.एन.सी. रथ तथा डॉ. लिपि दास ने २७ से २८ नवंबर २००९ के दौरान उड़ीसा विस्तार शिक्षा संघ द्वारा ओयूएटी, भुवनेश्वर में 'भारत में ग्रामीण जीविका का प्रबंधन-चुनौतियां एवं अवसर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. लिपि दास ने ४ से ५ दिसंबर २००९ के दौरान कृषिरत महिला अनुसंधान निदेशालय, भुवनेश्वर में अंतर्राष्ट्रीय विस्तार संघ द्वारा 'कृषि में महिलाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने ५ से १० दिसंबर २००९ के दौरान कोलकाता में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की प्लेटिनम जुबिली बैठक में भाग लिया।

Fungi for Improving Phosphorus Nutrition in Upland."

Dr D.P. Sinhababu attended the Workshop on "Credit Problems for Promoting Integrated Fish-horticulture System in Waterlogged Lowland Area in Orissa" organized by the National Bank for Agriculture and Rural Development at Bhubaneswar during 10 and 11 Dec 2009.

Drs V.D. Shukla, M. Variar, D. Maiti and S. Lenka attended the National Conference on "Pest Diversity in Rice and their Management under Changed Climate" organized by the AZRA from 15 to 16 Dec at CRRI, Cuttack.

Dr T.K. Adhya attended the Annual Meeting of the Orissa Botanical Association at Banki College, Banki on 26 Dec 2009 and delivered the keynote address "Darwin and Microbial Evolution."❄

Exhibition

THE CRRI exhibited its technologies in the State Level Interactive Workshop on "Participatory Irrigation Management" at WALMI, Cuttack during 15-16 Oct 2009. The CRRI was represented by Shri P. Jana, Shri P. Kar and Shri A.K. Parida.

The KVK, Santhapur exhibited technologies at the IV National Conference on KVK's at TNAU, Coimbatore, Tamil Nadu during 6–8 Nov 2009. The exhibits were explained by Drs S.M. Prasad and P.K. Mallick from the KVK, Santhapur and Shri P. Jana from CRRI, Cuttack.❄

Foreign Deputation

DR O.N. Singh participated in the 3rd International Conference on "Integrated Approaches to Improve Crop Production under Drought-prone Environments" held at Shanghai, China from 14 to 17 Oct 2009.

Drs M. Variar and Padmini Swain participated in the 6th International Rice Genetics Symposium at IRRI, Philippines from 16 to 19 Nov 2009.

Dr Padmini Swain visited the IRRI, Philippines during 20-21 Nov 2009 to review and finalize the work plan of GCP Funded ICAR-IRRI Collaborative project "Connecting Performance under Drought with Genotype through Phenotype Association."

Drs T.K. Adhya, O.N. Singh, P. Samal and A. Ghosh participated in the Workshop of the ADB-funded project "Developing and Disseminating Water-saving Rice Technologies in South Asia" at Kathmandu, Nepal from 16 to 17 Dec 2009.❄

डॉ. डी.मैती ने ९ से १२ दिसंबर २००९ के दौरान नई दिल्ली में पादप रोगविज्ञान पर आयोजित पांचवी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने 'उपरीभूमि में फास्फोरस संपोषण में सुधार हेतु देशी आर्बूस्कूलार माइकोरिजाल कवक की खोज के लिए समन्वित प्रयास' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.डी.पी. सिन्हाबाबू ने १० से ११ दिसंबर, २००९ के दौरान राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा भुवनेश्वर में 'उड़ीसा में जलाक्रांत निचलीभूमियों में समेकित मछली-बागवानी प्रणाली को बढ़ावा में कर्ज की समस्याएं' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ.वी.डी.शुक्ला, डॉ. डी.मैती तथा डॉ.एस. लेंका ने १५ से १६ दिसंबर २००९ के दौरान सीआरआरआई, कटक में 'आजरा' द्वारा 'बदलते जलवायु के अंतर्गत चावल में नाशककीटों की विविधता तथा उनका प्रबंधन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ.टी.के. आध्या ने २६ दिसंबर २००९ को बांकी महाविद्यालय, बांकी में उड़ीसा वनस्पति संघ की वार्षिक बैठक में भाग लिया एवं 'डारविन तथा सूक्ष्मजैविक विकास' विषय पर मूल भाषण दिया।❄

प्रदर्शनी

सीआरआरआई ने १५-१६ अक्टूबर २००९ के दौरान वालमी, कटक में 'सहभागी सिंचाई प्रबंधन' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय परस्पर प्रभावशील कार्यशाला में अपनी प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। श्री पी. जाना, श्री पी.कर तथा श्री ए.के. परिड़ा ने सीआरआरआई से प्रतिनिधित्व किया। कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर ने ६ से ८ नवंबर २००९ के दौरान तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु में कृषि विज्ञान केंद्रों पर आयोजित चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर से डॉ.एस.एम. प्रसाद एवं डॉ.पी.के. मल्लिक तथा सीआरआरआई, कटक से श्री पी. जाना ने प्रतिनिधित्व किया।❄

विदेश प्रतिनियुक्ति

डॉ.ओ.एन. सिंह ने १४ से १७ अक्टूबर २००९ के दौरान संघाई, चीन में' 'सूखा-प्रवण पर्यावरणों के अंतर्गत फसल उत्पादन में सुधार करने के लिए समेकित प्रयास' विषय पर आयोजित तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ.एम. वरियर तथा डॉ.पद्मिनी स्वाईं ने १६ से १९ नवंबर २००९ के दौरान आईआरआरआई, फिलीपींस में आयोजित ६ वीं अंतर्राष्ट्रीय चावल आनुवंशिक परिसंवाद में भाग लिया।

डॉ.पद्मिनी स्वाईं ने २० से २१ नवंबर २००९ के दौरान जीसीपी वित्त पोषित आईसीएआर-आईआरआरआई सहयोगात्मक परियोजना 'सूखा के अंतर्गत फिनोटाइप संसर्ग के माध्यम से जीनोटाइप का संयोजी निष्पादन' की समीक्षा करने तथा कार्य योजना को अंतिम रूप देने के लिए आईआरआरआई, फिलीपींस का दौरा किया।

डॉ.टी.के. आध्या, डॉ.ओ.एन. सिंह, डॉ.पी. सामल तथा डॉ.ए. घोष ने १६ से १७ दिसंबर २००९ के दौरान काठमांडू, नेपाल में एडीबी द्वारा वित्त पोषित परियोजना 'दक्षिण एशिया में जल-बचत चावल प्रौद्योगिकियों के विकास एवं विस्तार' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।❄

Visitors

DRS Dath K. Mita, Crop Analyst, International Production Assessment Division, Office of Global Analysis, USDA-Foreign Agricultural Service, Washington, DC and Dr A. Govindan, Senior Agricultural Specialist, FAS/USDA, American Embassy New Delhi, visited CRRI, Cuttack on 30 Oct 2009.❄

Appointments

SHRI S.S. Mahapatra joined as Junior Accounts Officer at CRRI-RRS, Gerua on 29 Oct 2009.

Dr Mohammed Shahid joined as Scientist (Soil Science: Soil Chemistry / Soil Fertility and Microbiology) at CRRI, Cuttack on 3 Nov 2009.

Dr Vinay Kumar Singh joined as Programme Coordinator at the CRRI KVK, Koderma on 21 Dec 2009.❄

Promotion

SHRI S.S. Mahapatra was promoted as Assistant Finance and Accounts Officer at CRRI-RRS, Gerua on 27 Nov 2009.❄

Retirement

SHRI R.R. Dash, T-9 and Shri S.C. Mallick, T-4 retired on 31 Oct 2009.

Shri Narendra Das, SSG-III and Shri Sukadev Swain, T-4 retired on 30 Nov 2009.

Shri Mahendra Nath Borah, T-5 retired on 31 Dec 2009.❄

आगंतुक

डॉ.दत के.मित्ता, फसल विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय उत्पादन मूल्यांकन प्रभाग, ग्लोबल एनालिसिस कार्यालय, यूएसडीए-विदेश कृषि सेवा, वाशिंगटन डीसी तथा डॉ.ए. गोविंदन, वरिष्ठ कृषि विशेषज्ञ एफएएस/यूएसडीए, अमेरिका दूतावास, नई दिल्ली ने ३० अक्टूबर २००९ को सीआरआरआई, कटक का परिदर्शन किया।❄

नियुक्ति

श्री एस.एस. महापात्र ने २९ अक्टूबर २००९ को सीआरआरआई-आरआरएस, गेरुआ में कनिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया।

डॉ.मोहम्मद शाहिद ने ३ नवंबर २००९ को सीआरआरआई, कटक में वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान, मृदा रसायन/मृदा उर्वरता एवं सूक्ष्मजीवविज्ञान) के रूप में पदभार ग्रहण किया।।

डॉ.विनय कुमार सिंह ने २१ दिसंबर २००९ को सीआरआरआई कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा में कार्यक्रम समन्वयक के रूप में पदभार ग्रहण किया।❄

प्रोन्नति

श्री एस.एस. महापात्र ने २७ नवंबर २००९ को सीआरआरआई-आरआरएस, गेरुआ में सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नति मिली।❄

सेवानिवृत्ति

श्री आर.आर. दास, टी-९ तथा श्री एस.सी. मल्लिक, टी-४ दिनांक ३१ अक्टूबर २००९ को सेवानिवृत्त हुए।

श्री नरेंद्र दास, एसएसजी III तथा श्री सुखदेव स्वाईं टी-४ दिनांक ३० नवंबर २००९ को सेवानिवृत्त हुए।

श्री महेंद्रनाथ बोराह, टी-५ दिनांक ३१ दिसंबर २००९ को सेवानिवृत्त हुए।❄

Publications

MAHATA, K.R., Singh, D.P., Saha, Sanjoy and Ismail, A.M., 2009. Water Management for Dry Season Rice in Salt-affected Coastal Soil. *J. Indian Soc. Coastal Agric. Res.*27 (1): 24-25.

Maiti, D., Barnwal, M.K., and Mandal, N.P., 2009. Exploring possibilities of partial drought mitigation in upland rice (*Oryza sativa* L.) through enhancing native arbuscular mycorrhizal (AM) association. *Mycorrhiza News* 21 (3): 29–30.

Maiti, D., Mandal, N.P., Variar, M., Shukla, V.D., Sinha, P.K., Elazegui, F. and Javier, E. 2009. On-farm validation of improved seed production methods for upland rice. *Oryza* 46 (1): 37–41.❄

Director: T.K. Adhya

Coordination: G.A.K. Kumar

Hindi translation: G. Kalundia and B.K. Mohanty

Compilation: Sandhya Rani Dalal

Hindi data correction: Ranjan Sahoo

Editor: Ravi Viswanathan

Laser typeset at the Central Rice Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Cuttack (Orissa) 753 006, India, and printed in India by the Print-Tech Offset Pvt. Ltd., Bhubaneswar (Orissa) 751 024. Published by the Director, for the Central Rice Research Institute, ICAR, Cuttack (Orissa) 753 006.